राजस्य विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 24 जनवरी, 1983

ध्वांक 1934-ध(I)-82/2777. पूर्वी पंधाव युद्ध पृष्ट्कार ग्रीवित्यम, 1948 (जैसा कि एसे हरियाणा राध्य में अपनाया गया है और एसमें आज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री दलजीत सिंह, पृष्ठ श्री पृथी सिंह, नदी मोहल्ला, अम्याला शहर, मारकत 22 शांतिपुरा, जानन्वर, को रदी, 1969 से धरीक, 1970 तक 100 रुपए वार्षिक, धरीफ, 1970 से धरीफ, 1979 तथ 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध धागीर सनद में दी गई शतों से अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

क्ष्मांक 1938-व्य(I)-82/2837.—श्री रामानन्द, पुंध श्री सदामुद्य, निवासी गृहगावी, तहसील व जिला गृहगाधी, की दिनांक 30 ग्रव्हत, 1978 की हुई मृत्यु के परिणामस्यक्ष्य हरियाणा के राज्यपाल वृद्धी पंजाव युद्ध पुरु स्हार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तया 3(1ए) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामानन्द की मृश्लिग 150 ग्रिये वार्षिक की जागीर जो 'उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की प्रधिसूचना क्षमांक 5005-मार-4-67/3455, दितांक 27 सितम्बर, 1967 तथा प्रधिसूचना क्षमांक 5041-मार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, प्रब उसकी विश्वता धीमती सुख देई के नाम रवी, 1979 से वरिक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रयी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई भरतों के प्रकार्गत प्रदान करते हैं।

क्ष्मांश 1988-म (II)-82/2841.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार मिसिनयम, 1948 (मैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मारताया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की बारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के भाउतार सौंपे पए मिसिकारों था प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यान, श्रो गिरवारी लाल, पुत्र श्री किशन लाल, गांव नौसवा, तहसीस दादरी, जिला मियानी, को रबी, 1973 से खरीक, 1979 एक 150 दर्व पाणिक तथा रशे, 1933 से 300 हारे पाणिक कीमत की युद्ध जानीर, सबद में दी नई सर्वी के मनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

शुद्धि-पत्न

क्षमीक 1401-ळ(II)-82/2845 — इरियाणा सरकार राजस्त्र विमाग द्वारा जारी भी गई प्रधिसूचना क्षमीक 1401- स(II)-82/32987, विनोक 17 सितम्बर, 1982 को हरियाणा सरकार के राजपल में दिनांक 12 प्रस्तूबर, 1982 को प्रकाशित हुई है की चौथी लाईन नें ''खरीक, 1965 से रबी, 1970 तक 100 राये थाणिक, धरीक, 1975 से धरीक, 1979 तक'' की नजाए ''खरीक, 1965 से रबी, 1970 तक 100 राये विक, धरीक, 1970 से धरीक, 1979 तक'' पढ़ा दिनांचे।

दिनांक 25 जनवरी, 1983

क्रमांक 1932-ज(I)-82/2856.—पूर्वी पंजाय युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रश्ताया गया है। भीर उसमें प्राज हितक संसोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(१ए) तथा 3(१ए) के प्रतुसार सौरे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री करता राम, पुत्र श्री राम सिंह, गांव रायवाशी, तहसोन न'रायणगढ़, जिंदा प्रश्वान, को रहो, 1974 से खरीक, 1979 तह 150 हारे वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 देवये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के प्रनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी, 1983

धर्मास 42-व(II)-83/4259.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुश्कार प्रवितियम, 1948 (वैस कि इसे हरियामा राज्य में अपनामा गया है पीर उसमें भाव तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के प्रमुखार सौंपे गए प्रविद्यारों का प्रयोग करते हुए हरियामा के राज्यपाल और दरियान सिंह, पूत्र भी जण्डगी राम, शांच सेरिया, सहसीत सज्जर, जिला रोहनह, को खरीक, 1975 से धरीक, 1979 तक 150 दनये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 350 खपने पार्षिक की मल की युद्ध धाणीर सनद में दी गई कही से प्रमुखार सहचं प्रदान करते हैं।